राजधानी
वर्ष 11 | अंक 233 | पृष्ठ : 22+8=30
मूल्य : तीन रुपये या चार रुपये उड़ान सहित
7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 20 संस्करण

अमर उजाला

लखनऊ
बुधवार, 20 फरवरी 2019

आज उड़ान
विधि क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं

किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़कर आय बढ़ाएगी 34000 करोड़ की 'कुसुम'

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (कुसुम) योजना शुरू करने को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार ने 34,422 करोड़ रुपये की इस योजना के जरिए 2022 तक किसानों के खेतों में 25.75 गीगावाट सौर बिजली का उत्पादन कर उनकी आमदनी में बढ़ोतरी करने की तैयारी की है।

2022 तक किसानों के जरिए 25.75 गीगावाट बिजली उत्पादन का है लक्ष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की केंद्रीय कैबिनेट ने कुसुम योजना को शुरू करने को हरी झंडी दिखाई। सरकार की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, इस योजना में तीन हिस्सों में काम किया जाएगा। पहले हिस्से में किसानों की जमीनों पर ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा प्लांटों के जरिए 10,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाएगा। इसमें कोई भी किसान, ग्राम पंचायत, सहकारिता संघ या कृषि उत्पादक संगठन अपनी जमीनों पर 500 किलोवाट से 2 मेगावाट तक का सौर ऊर्जा प्लांट सरकारी मदद से लगा सकेंगे। इनसे पैदा होने वाली बिजली को विद्युत वितरण कंपनियों खरीदेंगी, जिससे किसानों की आय का जरिया बढ़ेगा। इसके लिए वितरण कंपनियों को शुरुआती 5 साल तक 40 पैसे प्रति यूनिट का इंसेन्टिव मिलेगा। एजेंसी

पायलट प्रोजेक्ट से होगी शुरुआत

योजना के पहले और तीसरे हिस्से को शुरुआत में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर चालू किया जाएगा। इस पायलट प्रोजेक्ट में 1000 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा प्लांट लगाए जाएंगे, जबकि ग्रिड से जुड़े 1 लाख ट्यूबवैल शुरू किए जाएंगे। इन पायलट प्रोजेक्टों की सफलता के बाद ही आगे कदम बढ़ाया जाएगा। हालांकि कुसुम के दूसरे हिस्से में लगने वाले 17.50 लाख सौर ऊर्जा चालित ट्यूबवैल को शुरुआत से ही पूर्ण योजना के तौर पर चालू किया जाएगा।